ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 | अक्टूबर - II - 2022 | अंक - 14 | माउण्ट आबू | Rs.-10

वैश्विक शिखर सम्मेलन • ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में चार दिवसीय कार्यक्रम, उद्घाटन सत्र में केंद्र व हरियाणा के मंत्री भी आए

योग, अध्यात्म से ही आएगी विश्व में शांति : पूर्व सीजेआई

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्यसभा सांसद जस्टिस रंजन गोगोई ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ में लोगों को मूल्य, सभ्यता, संस्कृति, योग, अध्यात्म की शिक्षा दी जा रही है। आज के युग में ऐसे कार्यों की बहुत ज़रूरत है। योग से ही दुनिया में बदलाव आएगा। योग-अध्यात्म से ही दुनिया में शांति आएगी। पुणे के पीपुल्स मूवमेंट फॉर ग्रीन इंडिया के अध्यक्ष रवींद्र धारिया ने कहा कि हमारी धरती ने हमेशा हमें देना सिखाया है। हेतरो ग्रुप के चेयरमैन डॉ. बंदी पार्थसारथी रेड्डी, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के महासचिव राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर भाई, संस्थान के कार्यकारी सचिव राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय भाई सहित अन्य गणमान्य लोग व संस्थान के वरिष्ठ भाई-बहनें उपस्थित रहे। सम्मेलन की सफलता के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी शुभकामना संदेश भेजा। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. शिविका बहन ने किया।

संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने सभी का परमात्मा के घर में स्वागत करते हुए कहा कि स्वर्णिम भारत की एक झलक देखने के लिए आज पूरा विश्व आतुर है। हम सभी एक परमात्मा की संतान आपस में भाई-बहन हैं।

हमारे संस्कारों में मानव मात्र के कल्याण का भाव : यादव

हरियाणा के सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री ओमप्रकाश यादव ने कहा कि मानव सेवा, गरीब की सेवा, गोसेवा से बड़ी कोई सेवा नहीं है। कोरोना काल में जहां उन्नतिशील देश घबरा गए थे, वहीं भारत वर्ष ने सबसे पहले कोरोना वैक्सीन की खोज की। हमारे संस्कारों में मानव मात्र के कल्याण का भाव रहा है।

भारत ने दुनिया को सभ्यता और शांति दीः लेखी

केंद्रीय विदेश और संस्कृति राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि भारत ने ही दुनिया को सभ्यता-संस्कृति और शांति दी है। राजयोग मन को, विचारों को सही करने का एक रास्ता है। समाज में व्याप्त बुराइयां व्यक्ति के दिमाग की उपज है। रक्षा, सुरक्षा, चिकित्सा जो भी शब्द शक्ति से भरपूर हैं, वह कहीं न कहीं नारी शक्ति से जुड़े हैं। उन्होंने मीडिया से आह्वान किया कि यदि बुराई दिखाना ज़रूरी है तो जो समाज में भला काम हो रहा है, वो दिखाना भी ज़रूरी है, ताकि सभी लोग अच्छी प्रेरणा लेकर अच्छे कार्य कर सकें।

दुनिया नहीं, 'खुद' को जीतने की संस्कृति है हमारी : सुधांशु

शांतिवन-आबू रोड। हमारी संस्कृति कभी दुनिया को जीतने की रही ही नहीं, हमें तो वेदों-पुराणों में यही सिखाया गया कि जीतना है तो खुद को जीतो। हमारा सारा ज्ञान ही स्वयं का है। सारा अनुसंधान ही अंतर खोजने का है। उक्त उद्गार भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित वैश्विक शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जब तक आत्मा के केंद्र पर नहीं जाएंगे, ज्ञान मिल नहीं सकता है। यह अमृतकाल की शुरुआत है, हम जगतगुरु बनने के लिए उठ रहे हैं। यदि मनुष्य के ऊपर समाज के नियम-मर्यादा का बंधन नहीं हो तो 99 फीसदी मनुष्य का जीवन मूल्यों के विपरीत होगा। शहीद भगतसिंह सेवादल के अध्यक्ष पद्मश्री. डॉ. जितेंद्र सिंह शुंटी ने कोरोना काल की व्यथा और अपनी सेवाओं का मर्मस्पर्शी अनुभव सभी के साथ साझा करते हुए कहा कि मेरा यही संदेश है कि जब आप यहां से जाएं तो आपस में शांति और प्रेम से रहें। दिल्ली से आए सुधीर मिश्रा ने कहा कि देश का लीडर ऐसा हो जिसके चरित्र का लोग अनुसरण कर सकें। आंध्रप्रदेश के अराकू से लोकसभा सांसद गोड्डेती माधवी, राहुल जे नामजोशी, डॉ. सुब्रोकमल दत्ता, रुचिरा श्रीवास्तव, शमशेर सिंह, उदयपुर से न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अतुलभ बाजपेयी, जेम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के वाइस चेयरमैन किरीट भंसाली, अहिंसाधाम फाउंडेशन मुंबई के महेंद्र सांगोई, मैनेजिंग ट्रस्टी ने सम्बोधित किया। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी, अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शीलू बहन, कटक से ब्र.कु. लीना बहन, गुरुग्राम से ओआरसी निदेशिका ब्र.कु. आशा बहन, ग्लोबल हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। नेपाल सहित भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आये कलाकारों सुंदर प्रस्तुति दी।

शहीद भगतसिंह सेवादल के अध्यक्ष पद्मश्री. डॉ. जितेंद्र सिंह शुंटी को सम्मानित करते हुए ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी।

हमारा देश अभी भी विश्वगुरुः सुनैना सिंह

जब हम मूल के अधिनायक, लीडर्स जैसे विषयों की ओर देखते हैं तो भारत से बेहतर उदाहरण कुछ नहीं है। भारत में कई सदियों से ज्ञान प्रथा हिस्सा रही है। मुझे विश्वास है कि हमारा देश अभी भी विश्वगुरु मुकाम पर कायम रहेगा। क्योंकि जब हम आसपास देखते हैं तो विश्वभर में समाधान केंद्र के तौर पर भारत पर ही नजर जाती है। शांति भारत की आंतरिक विशेषता और गुण है जो कि हम विश्व को सिखा रहे हैं। शांति ने ही हमें विशेषता के रूप में आगे बढ़ाया है। इस क्षेत्र में ब्रह्माकुमारीज़ के प्रयास बहुत ही सराहनीय हैं

- नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनैना सिंह।

शांति का संदेश लेकर जाएं : धर्मबीर सिंह

हजारों साल पुरानी सबसे प्राचीन सभ्यता और संस्कृति हमारी रही है। आप सभी जब इस पवित्र परिसर से जाएं तो शांति का संदेश लेकर जाएं। 50 हज़ार ब्रह्माकुमारी बहनें विश्व को योग और अध्यात्म का संदेश देने के लिए दिन-रात सेवा में जुटी हैं, जितना हो सके इन बहनों का सहयोग करें

- लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह ,भिवानी महेंद्रगढ़।